॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

# निर्भयविलास।

## अर्थात्

## गीतगोविन्द

### भागत्रय.

जिसको।

अक्षय सुखकी कामनावाले भगवद्भक्तोंके हितार्थ
निर्भयरामजीने बनाया

उसीको

खेमराज श्रीकृष्णदासने

**बंबई**

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" ( स्टीम् ) मुद्रायन्त्रालयमें
छापकर प्रसिद्ध किया।

सवत् १९८०, शक १८४५,